

A**CCE RF/RR/
PF/PR**

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಳಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 003

**KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU - 560 003**

ಮೇ 2026 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ - 2

MAY 2026 EXAMINATION - 2

**ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು
MODEL ANSWERS**

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Code No. : 06-H

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ)
(Regular Fresh / Regular Repeater / Private Fresh / Private Repeater)

ದಿನಾಂಕ : **18. 05. 2026**]

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : **100**

Date : 18. 05. 2026]

[**Max. Marks : 100**

ಪ್ರಶ್ನ ಸಂಖ್ಯಾ	ಸಹಿ ಉತ್ತರ	ಅಂಕ
I.	बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।	6 × 1 = 6
1.	'आदर' शब्द का विलोम रूप है — (A) निराधार (B) अनादर (C) अंदर (D) गौरव उत्तर : (B) अनादर	1

E-2/7703 (MA)

[Turn over

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	‘युवक’ शब्द का स्त्रीलिंग रूप है — (A) यवन (B) बालक (C) यौवन (D) युवती उत्तर : (D) युवती	1
3.	‘सीखना’ शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक रूप है — (A) सिखाना (B) सीखो (C) सिखवाना (D) सीख उत्तर : (A) सिखाना	1
4.	निम्नलिखित में बहुवचन शब्द है — (A) चेष्टा (B) कहानी (C) कोशिशें (D) समस्या उत्तर : (C) कोशिशें	1
5.	‘वसुधा’ शब्द का पर्यायवाची शब्द है — (A) गगन (B) पर्वत (C) धरती (D) सागर उत्तर : (C) धरती	1
6.	निम्नलिखित में उपसर्ग युक्त शब्द है — (A) सुंदरता (B) अपमान (C) सामाजिक (D) चित्रकार उत्तर : (B) अपमान	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	अनुरूपता के उत्तर ।	4 × 1 = 4
7.	पादपावतार : दीर्घ संधि :: महोत्सव : । उत्तर : गुण संधि	1
8.	राष्ट्रपति : तत्पुरुष समास :: चौराहा : । उत्तर : द्विगु समास	1
9.	जो विदेश में रहता है : विदेशी :: जो कविताएँ लिखता है : । उत्तर : कवि	1
10.	बिजली चमकती है : वर्तमान काल :: मोहन गीत गाएगा : । उत्तर : भविष्यत् काल	1
III.	एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।	7 × 1 = 7
11.	‘सत्याग्रह’ आश्रम की नींव कहाँ रखी गई ? उत्तर : ‘साबरमती’ नदी के किनारे सत्याग्रह आश्रम की नींव रखी गई ।	1
12.	‘लोकगीत’ का मुख्य विषय क्या होता है ? उत्तर : लोकगीत का मुख्य विषय रोजमर्रा के बहते जीवन से संबंधित होता है ।	1
13.	लाला झाऊलाल छत पर क्यों टहल रहे थे ? उत्तर : झाऊलाल पं० बिलवासी से ढाई-सौ रुपये की माँग की थी । पर शाम तक वे नहीं आये थे । रुपये का प्रबंध हुआ या नहीं इस उधेड़बुन से छत पर टहल रहे थे ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
14.	आनंद के क्षण को देने की कला का अभ्यास करना क्यों जरूरी है ? उत्तर : घरेलू और सार्वजनिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए आनंद के क्षण को देने की कला का अभ्यास करना चाहिए ।	1
15.	मजहब हमें क्या नहीं सिखाता है ? उत्तर : मजहब हमें आपस में बैर रखना नहीं सिखाता है ।	1
16.	मानव को कुछ देने की बारी आई तो क्यों कतराता है ? उत्तर : मानव सिर्फ लेना जानता है, देना उसकी प्रकृति नहीं ।	1
17.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन सा है ? उत्तर : जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग आलस छोड़कर कठिन परिश्रम करना ही है ।	1
IV.	दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।	10 × 2 = 20
18.	गाँधीजी की पढ़ाई के बारे में आप क्या जानते हैं ? उत्तर : गाँधीजी की प्रारंभिक शिक्षा गुजरात के पोरबंदर में हुई । बाद में बैरिस्टरी की परीक्षा के लिए विलायत गये । इंग्लैंड में वे 'टालस्टाय' और 'रस्किन' की पुस्तकों का अध्ययन किया । गीता-बाइबल के चिंतन-मनन ने उनके धार्मिक भावों को दृढ़ कर दिया ।	2
19.	ट्रेन में बोरिस का व्यवहार कैसा था ? उत्तर : लेखक के मित्र बोरिस सभी के लिए टोकरी भरकर भोजन लाए थे । उनका ध्यान चारों ओर रहता था । कौन मांसाहारी है ? कौन शाकाहारी ? किसको फल चाहिए और किसे पनीर पसंद है ये सब बातें उन्हें मालूम थीं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
20.	तीसरे महाशय की दृष्टि में कबूतरबाजी देखना बैठक में भाग लेने से भी अधिक महत्वपूर्ण क्यों है ? उत्तर : कबूतरों का मैच देखना राष्ट्रीय काम से ज्यादा जरूरी या बेज़रूरी का सवाल नहीं है । यह तो आनंद का प्रश्न है । अचानक जीवन में आनंद को गुदगुदानेवाला जो क्षण आ गया तो उसकी उपेक्षा नहीं करना है । इन क्षणों की बहुत कीमत है, जो जीवन को गुदगुदा दे और खींचतान की तेजी को भुला दे ।	2
21.	आज-कल लोकगीतों का संग्रह क्यों हो रहा है ? उत्तर : पहले लोकगीतों को शास्त्रीय संगीत के सामने हेय समझा जाता था । इनकी उपेक्षा की जाती थी । पर अब लोगों की नज़र फिरी है तो साहित्य और कला के क्षेत्र में भी परिवर्तन आया है । अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक साहित्य और गीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है । अनेक संग्रहों के भी प्रकाशन हो गए हैं ।	2
22.	अनदेखे अरूप ने प्यार को किस तरह वापस लौटाने की बात कही है ? उत्तर : अनदेखे अरूप ने उधार में लिये प्यार को सौगुने सूद के साथ लौटाने की बात कही । वह भी सौ-सौ बार गिन-गिन के ।	2
23.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान कैसे बना है ? उत्तर : हमारे देश का प्राकृतिक सौंदर्य नयन-मनोहर है । हज़ारों नदियाँ यहाँ बहती हैं । हिमालय पर्वत सबसे ऊँचा है । वह देश की रक्षा करता है । विविधता में एकता हमारे देश में दिखाई दे रही है । इसी कारण से यह देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान बना है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
24.	नेपोलियन की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रमाण देनेवाली घटना के बारे में लिखिए । उत्तर : एक बार ज्योतिषी ने नेपोलियन का हाथ देखकर कहा - तुम्हारे हाथ में तो भाग्य की रेखा ही नहीं है । नेपोलियन ने भाग्य की रेखा के स्थान पर चाकू से रेखा खींची और दृढ़ता से कहा - अपने भाग्य का निर्माता स्वयं मैं हूँ ।	2
25.	स्काउट को कैसी शिक्षा दी जाती है ? उत्तर : स्काउट को ऐसी शिक्षा दी जाती है कि - वह सिर्फ अपने देश का ही नहीं अपितु पूरे समाज व विश्व का भी नागरिक है । इसलिए उसे ऐसे कार्य करना चाहिए जिससे सबकी भलाई हो ।	2
26.	‘मन चंगा तो कठौती में गंगा’ कहावत का अर्थ लिखिए । उत्तर : ‘मन चंगा तो कठौती में गंगा’ इस कहावत का तात्पर्य है - परमात्मा सर्वव्यापी है । यदि मन शुद्ध है तो उसके दर्शन कहीं भी कभी भी हो सकता है ।	2
27.	‘मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता’ हेलन केलर को ऐसा क्यों लगता था ? उत्तर : हेलन केलर का कहना है - इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग मनुष्य की संवेदना को नहीं छूते । वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है ।	2
V.	लेखक / कवि का परिचय ।	2 × 3 = 6
28.	पांडेय बेचन शर्मा ‘उग्र’ । उत्तर : i) काल : 1900-1967 ii) जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चुनार नामक गाँव ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	iii) कृतियाँ : 'चंद हसीनों के खतूत', 'घंटा', 'फागुन के दिन चार', 'उसकी माँ', 'महात्मा ईसा' - नाटक (कोई तीन) iv) अन्य जानकारीयाँ : * गरीबी के कारण पाठशालीय शिक्षा व्यवस्थित रूप से नहीं मिली । * अभिनय कला में कुशल थे । * मौलिक साहित्य की सर्जना में आजीवन लगे रहे थे । सर्वेश्वरदयाल सक्सेना । उत्तर : i) जन्म काल : 15 सितम्बर, 1927-1983 ii) जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के छोर पर बसे 'पिकौरा' नामक गाँव में हुआ । iii) कृतियाँ : काठ की घंटियाँ, 'खूँटियों पर टंगे लोग', 'सोया हुआ जल', बकरी, 'अंधेरे पर अंधेरा' आदि उल्लेखनीय रचनाएँ हैं । iv) अन्य जानकारीयाँ : * प्रयोगवादी कवि थे । * इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए. पास किया । * दिनमान 'पराग' पत्रिका के संपादक भी रहे । * साहित्य अकादमी पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VI.	छन्द पहचानिए ।	1 × 3 = 3
30.	निज दुख गिरिसम रज करि जाना । मित्रक दुख रज मेरु समाना ॥ उत्तर : $\begin{array}{cccccccccccc} & & & & & & & & & & & \end{array} \quad S \quad S$ निज दुख गिरिसम रज करि जाना । = 16 $\begin{array}{cccccccc} S & & & & & & S & & S & S \end{array}$ मित्रक दुख रज मेरु समाना ॥ = 16 (i) यह चौपाई छन्द का उदाहरण है । (ii) यह सम जाति का मात्रिक छन्द है । (iii) प्रत्येक चरण में 16-16 मात्रायें होती हैं । (iv) इसमें पहले तथा दूसरे और तीसरे तथा चौथे चरणों में तुक होती है । (v) प्रत्येक चरण के अंत में यति होती है ।	
VII.	अलंकार पहचानिए ।	1 × 3 = 3
31.	घहरत घण्टा धुनि धमकत धौंसा करि साका । उत्तर : (i) यह अनुप्रास अलंकार है । (ii) यह शब्दालंकार का उदाहरण है । (iii) यहाँ घ और ध अक्षरों का प्रयोग बार-बार हुआ है । (iv) अक्षरों का दुहराने से संगीतमयता की सृष्टि होती है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VIII.	संदर्भ के साथ व्याख्या ।	4 × 3 = 12
32.	“मैंने डाँटकर कह दिया है, देखिए जल्दी चुप हो जायेगा ।” उत्तर : पाठ का नाम : अपना-पराया लेखक का नाम : जैनेंद्र संदर्भ व व्याख्या : जिस सराय में सिपाही रात को ठहरा था वहीं स्त्री अपने बच्चे के साथ रुकी थी । भूख और बीमारी के कारण बच्चे की लगातार रोने की आवाज उस सन्नाटे में सिपाही को अप्रिय लगा । नींद असंभव हो गई थी । वह चिल्लाकर भटियारे को बुलाकर कहा बच्चे की माँ से बच्चे को चुप करा दो । भटियारा वहाँ से चला और थोड़ी देर में लौटकर उपर्युक्त बात बोलता है । विशेषता : यहाँ सिपाही की नाराज़गी, भटियारे की असहायता और माँ के संकट का पता चलता है ।	3
33.	“उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है ।” उत्तर : पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ । लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई । संदर्भ व व्याख्या : राज्य में भ्रष्टाचार बहुत फैल गया था । राजा ने उसे ढूँढ़ने का काम विशेषज्ञ को सौंपा । विशेषज्ञ अपना काम करके दो महीने बाद दरबार में हाज़िर हुए । राजा ने बड़ी उत्सुकता से हाथ बढ़ाया और पूछा लाओ मैं देखूँ भ्रष्टाचार कैसा होता है ? तब विशेषज्ञ ने उपर्युक्त बात कहा है । विशेषता : भ्रष्टाचार सूक्ष्म, अगोचर और सर्वव्यापी है । अब तो ईश्वर हो गया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
34.	“देखा तुमने, यह आ गए ।” उत्तर : पाठ का नाम : एक कुत्ता और एक मैना लेखक का नाम : हज़ारीप्रसाद द्विवेदी संदर्भ व व्याख्या : गुरुदेव शांतिनिकेतन छोड़कर श्रीनिकेतन में रहने लगे । वहाँ भीड़-भाड़ उतनी नहीं थी, जितनी शांतिनिकेतन में थी । इसलिए लेखकजी परिवार सहित उनसे मिलने गए । गुरुदेव बाहर बैठकर सूर्यास्त देख रहे थे । लेखकजी को देखकर मुसकराए, कुशल प्रश्न पूछे । ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा । रवीन्द्रजी उसकी पीठ पर हाथ फेरकर लेखक की ओर देखकर उपर्युक्त बात कहते हैं । विशेषता : पशु-पक्षियों के सूक्ष्म स्वभाव का चित्रण है ।	3
35.	“जग में आज नये भेषज का हम सब नवल विधान करें ।” उत्तर : कविता का नाम : आओ नव निर्माण करें कवि का नाम : बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’ संदर्भ व व्याख्या : कवि देशवासियों को नये समाज का निर्माण करने को आमंत्रित करते हैं । जिसमें नई उमंग हो, नये प्राणों का संचार हो । आज के सड़े-गले समाज का ध्वंस करना है । इस गंदी स्थिति के लिए किसी को दोष नहीं देना चाहते हैं । नयी औषधी के साथ नया विधान अपनाकर नये समाज का निर्माण करना है । विशेषता : समाज की बुराइयों को दूर करके नए समाज का निर्माण का प्रयास होना ज़रूरी है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IX.	चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।	3 × 3 = 9
36.	एक साधारण सा लोटा 'अकबरी लोटा' नाम से प्रसिद्ध कैसा हुआ ? वर्णन कीजिए । उत्तर : सोलहवीं शताब्दी की बात है । बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हारकर भागा था और सिंध के रेगिस्तान में भटक रहा था । एक अवसर पर प्यास से उसकी जान निकल रही थी । उस समय एक ब्राह्मण ने इसी लोटे से पानी पिलाकर उसकी जान बचाई थी । हुमायूँ के बाद अकबर दिल्लीश्वर हुआ तब उसने उस ब्राह्मण का पता लगाकर उससे इस लोटे को लिया और बदले में उसे दस सोने के लोटे प्रदान किये । यह लोटा अकबर को बहुत प्यारा था । इसलिए यह लोटा अकबरी लोटा नाम से प्रसिद्ध हुआ ।	3
37.	मन्नुजी के व्यक्तित्व में प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का योगदान स्पष्ट कीजिए । उत्तर : शीला अग्रवाल सावित्री गर्ल्स हाईस्कूल में हिन्दी की प्राध्यापिका थीं । उन्होंने मन्नुजी को बाकायदा साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया । मात्र पढ़ने को, चुनाव करके पढ़ने में बदला । खुद चुन-चुनकर किताबें दीं और पढ़ी हुई किताबों पर बहसों कीं । उनकी साहित्य की दुनिया फैलती ही गई । शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था, बल्कि घर की चारदीवारी से खींचकर राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भागीदारी बनाने में सफल हो गई ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
38.	आडंबर पूर्ण भक्ति के बारे में बिहारी जी के विचार स्पष्ट कीजिए । उत्तर : बिहारीजी आडंबर पूर्ण भक्ति का खंडन करते हुए कहते हैं कि किसी मंत्र विशेष की माला लेकर स्मरण करने तथा मस्तक एवं शरीर के अन्य अंगों पर तिलक छापे लगाने से तो कभी काम सिद्ध नहीं हो पाता । इस प्रकार के भक्त का मन कच्चा तथा चंचल होता है । राम तो केवल अच्छे हृदय में निवास करते हैं, कच्चा मन तो काँच है जो कभी भी टूट सकता है ।	3
x.	पद्यांश की पूर्ति ।	1 × 4 = 4
39.	जग में सुख को गले लगाना । अथवा पैदा कर स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है सद्गुणों को, सद्गुण लाता सुख है । बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना । सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना । अथवा पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा । किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उन्नत प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	1 1 1 1
XI.	पद्यांश का भावार्थ :	1 × 4 = 4
40.	मुरझाए फूल में सुगंधि कौन ढूँढ़ेगा ? बच्चे में कौन खोट देखेगा ? हे देव ! विश्वास को ठेस लगने पर फिर से सद्गुण कौन परखेगा ? हे प्रभु, जले पर कौन नमक छिड़केगा ? सुनो, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, नदी पार करने के बाद मल्लाह को कौन पूछेगा ? अथवा भूख लगी तो गाँव में भिक्षात्र हैं, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : भावार्थ : अकमहादेवी प्रस्तुत वचनों के द्वारा निरर्थक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहती हैं - मनुष्य मुरझाए फूल में कभी भी सुगंध को ढूँढ़ने का प्रयास नहीं करेगा । बच्चे में सच्चाई है या बुराई है, देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा । विश्वास में धक्का लगने के बाद फिर से सद्गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । कोई पहले से दुखी है और भी उसे दुखी करने का प्रयास कौन करेगा ? हे भगवान, इस संसार रूपी नदी पार करने पर उस मल्लाह रूपी भगवान को कौन याद करेगा । अर्थात् सभी पथ-प्रदर्शक को भूल जायेंगे । अथवा भावार्थ : अकमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं, यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब-कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है ।	4
XII.	आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।	2 × 4 = 8
41.	कर्नाटक एकीकरण में आलूर वेंकटरावजी के योगदान के बारे में लिखिए । अथवा नूतन विद्यालय का अस्तित्व और उद्देश्य के बारे में विवरण दीजिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : कर्नाटक एकीकरण के लिए तथा कर्नाटक की सर्वांगीण उन्नति के लिए आलूर वेंकटराव की सेवा अविस्मरणीय है। कर्नाटक हित की रक्षा के लिए स्थापित कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की प्रगति के लिए वेंकटरावजी ने कन्नड़ प्रदेशों में प्रवास करके कर्नाटकियों में स्नेह बंधुता भाषाभिमान जगाने का प्रयत्न किया। उन दिनों कर्नाटक छोटे-बड़े रियासतों में-मैसूर, हैदराबाद, मद्रास, बंबई, कूर्ग के प्रदेशों में बँट गया था उनका एकीकरण होना जरूरी था। इस एकीकरण के अभाव से ही और प्रांतों के मुकाबले कर्नाटक पीछे पड़ा है। वेंकटरावजी ने वाग्भूषण पत्रिका में लिखा-जरासंध की देह के टुकड़ों में जैसे सम्मिलन की शक्ति थी, वैसी शक्ति कन्नड़ भाषी निर्जीव प्रदेशों में नहीं। यह किसी को भूलना नहीं चाहिए कि इन पाँच टुकड़ों को मिलाकर इनमें प्राण संचार कराने का भार कर्नाटकियों पर है। यह घोषणा ही नहीं थी उन्होंने खंडित कर्नाटक को अखण्ड कर्नाटक में परिवर्तित किया। भुवनेश्वरी के श्रीचरणों में पहला कर्नाटक राज्योत्सव मनाया। अथवा राष्ट्रसेवा के लिए वेंकटरावजी ने वकालत छोड़ दी। उच्च विचार सादा जीवन अपनाया। मानसिक आज़ादी सबसे बड़ी आज़ादी समझने लगे। धारवाड़ में एक राष्ट्रीय स्कूल खोलने के प्रयत्न में लग गये। मित्रों की सहानुभुति, जाने-माने व्यक्तियों से धन सहायता, दूसरे गाँव से धन सहायता के फलस्वरूप 26-01-1909 के दिन धारवाड़ में कर्नाटक नूतन विद्यालय अस्तित्व में आया। उनका प्रयत्न सफल हुआ। छात्रों को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना राष्ट्रीय शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य था। इसलिए स्कूल के पाठ्यक्रम में लकड़ी का काम, मुद्रण, बुनाई, दियासलाई बनाना आदि सिखाना भी समाविष्ट था। वेंकटराव स्कूल के गौरव सचिव थे। वेतन नहीं लेते थे। उसके अनुसार कमाई की अपेक्षा देश सेवा प्रधान बात थी।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
42.	पुरुषोत्तम के चरित्र पर प्रकाश डालिए । अथवा सेठ गोविन्ददासजी की राय में सच्चा धर्म क्या है ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर : पुरुषोत्तम दिल्ली निवासी और महाराष्ट्री ब्राह्मण है । उनकी आयु लगभग साठ वर्ष की है । गेहूँ रंग और साधारण शरीर का मनुष्य है । सिर के बाल मराठा ढंग के हैं, अर्थात् पीछे चौड़ी शिखा है उसके चारों ओर छोटे-छोटे बाल और उसके चारों तरफ के बाल मूँड़े हुए हैं । मुख पर बड़ी-बड़ी मूँछें हैं । सारे बाल तीन चौथाई से अधिक सफेद हैं । वह लाल रंग का रेशमी उपरना ओढ़े हुए है । इसी रंग का रेशमी झोला पहने है । सिर पर श्वेत चंदन का त्रिपुण्ड और वक्षस्थल पर मोटा यज्ञोपवीत दिखायी देता है । उनकी सत्यप्रियता अधिकांश दिल्ली में प्रसिद्ध है । इसी के कारण यवन तक उसे आदर करते हैं । जीवन भर वह धर्म का पालन किया है । अथवा सेठ गोविन्ददासजी ने धर्म की समस्या को उठाया है । सामान्य रूप से हमलोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं, वह सेठ जी की दृष्टि से सही नहीं है । धर्म का खान-पान या छुआछूत से विशेष संबंध नहीं है । सेठजी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । धर्म किसी निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी-कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है । मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । लेखक की दृष्टि में सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII.	अपठित गद्यांश के उत्तर ।	1 × 4 = 4 (2 + 2)
43.	कर्नाटक राज्य का बेलूर मंदिर आकार-प्रकार की दृष्टि से, दक्षिण के विशाल मंदिरों की तुलना में छोटा है, किन्तु अपने कला-वैभव के कारण विश्वविख्यात है । स्वर्ग की कला भूमि पर दर्शानेवाले बेलूर सचमुच वंदनीय है । सौंदर्य से भरपूर चट्टान का हर टुकड़ा अपने आप में लाजवाब हैं । पाषाण में मृदुलता को अंकित करनेवाले सभी साधन प्रणाम योग्य हैं । निराकार रूप में साकार रूप भरनेवाले शिल्पकला के कुशल शिल्पी अभिनंदनीय हैं । अपना तन-मन-धन लगाकर सुंदर देवालय निर्माण करने वाले विष्णुभक्त राजा गौरव के पात्र हैं । a) बेलूर मंदिर विश्वविख्यात होने का कारण लिखिए । b) शिल्पी और राजा दोनों भी गौरव के पात्र हैं, क्यों ? उत्तर : a) कर्नाटक राज्य का बेलूर मंदिर आकार-प्रकार की दृष्टि से, दक्षिण के विशाल मंदिरों की तुलना में छोटा है, किन्तु अपने कला-वैभव के कारण विश्वविख्यात है । b) बेलूर की कला स्वर्ग की कला है । सौंदर्य से भरपूर चट्टान का हर टुकड़ा अपने आप में लाजवाब हैं । निराकार रूप में साकार रूप भरनेवाले कुशल शिल्पी और अपना तन-मन-धन लगाकर सुंदर देवालय का निर्माता राजा दोनों गौरव के पात्र हैं ।	2 2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक																														
XIV.	पत्र लेखन ।	1 × 5 = 5																														
44.	गाँव में मनानेवाले उत्सव में शामिल होने के लिए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए । अथवा अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए पिताजी को एक पत्र लिखिए । उत्तर : व्यावहारिक पत्र : <table><tr><td>i)</td><td>स्थान एवं दिनांक :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>ii)</td><td>प्रेषक/सेवा में :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>iii)</td><td>सम्बोधन - विषय :</td><td>1</td></tr><tr><td>iv)</td><td>पत्र का कलेवर :</td><td>$2\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>v)</td><td>समाप्ति :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr></table> अथवा पारिवारिक पत्र : <table><tr><td>i)</td><td>स्थान एवं तारीख :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>ii)</td><td>सम्बोधन-अभिवादन :</td><td>1</td></tr><tr><td>iii)</td><td>पत्र का कलेवर :</td><td>$2\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>iv)</td><td>समाप्ति :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr><tr><td>v)</td><td>पत्र पानेवाले का पता :</td><td>$\frac{1}{2}$</td></tr></table>	i)	स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	ii)	प्रेषक/सेवा में :	$\frac{1}{2}$	iii)	सम्बोधन - विषय :	1	iv)	पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	v)	समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	i)	स्थान एवं तारीख :	$\frac{1}{2}$	ii)	सम्बोधन-अभिवादन :	1	iii)	पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	iv)	समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	v)	पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	5 5
i)	स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$																														
ii)	प्रेषक/सेवा में :	$\frac{1}{2}$																														
iii)	सम्बोधन - विषय :	1																														
iv)	पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$																														
v)	समाप्ति :	$\frac{1}{2}$																														
i)	स्थान एवं तारीख :	$\frac{1}{2}$																														
ii)	सम्बोधन-अभिवादन :	1																														
iii)	पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$																														
iv)	समाप्ति :	$\frac{1}{2}$																														
v)	पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$																														

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
xv.	निबंध लेखन ।	1 × 5 = 5
45.	किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : i) हमारे राष्ट्रीय पर्व । ii) इंटरनेट एक वरदान या अभिशाप । उत्तर : (i) भूमिका 1 (ii) विषय विश्लेषण 2 (iii) उपसंहार 1 (iv) भाषा और शैली । 1	